श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 35, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार, 10 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

भारत और चीन के बीच चार घंटे तक चली ब्रिगेड कमांडर स्तर की बातचीत, नहीं निकला कोई नतीजा

नई दिल्ली, एजेंसियां। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा जारी तनाव के बीच भारत और चीन के बीच चुसूल में बुधवार को भी ब्रिगेड कमांडर स्तर की बातचीत बेनतीजा ही खत्म हो गई। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक यह वार्ता सुबह 11 बजे से तीन बजे तक चली। भारतीय सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि कोर कमांडर स्तर की बातचीत के लिए दोनों पक्षों ने व्यापक रूप से सहमति जताई है। फिलहाल अभी इस वार्ता की तारीख और इसके एजेंडे को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

समाचार एजेंसी आइएएनएस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दोनों ही देश आगे बातचीत जारी रखेंगे। बता दें कि बीते सात सितंबर को छड़, भाले और रॉड आदि से लैस चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में रेजांग-ला रिज लाइन के मुखपारी क्षेत्र स्थित एक भारतीय ठिकाने की ओर आक्रामक तरीके से बढ़ने का प्रयास किया था और हवा में गोलियां चलाई थीं। सीमा पर जारी तनाव के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 45 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब फायरिंग की घटना हुई। चीन की इस आक्रामकता का भारतीय सेना के जवानों ने दृढ़ता से मुकाबला किया जिससे उन्हें पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा।

यह घटना मॉस्को में भारत और चीन के रक्षा मंत्रियों के बीच बैठक के तीन दिन बाद और रूस की राजधानी में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच होने वाली बैठक से पहले हुई है। रूस ने उम्मीद जताई है कि भारत और चीन बातचीत के जरिए सीमा विवाद सुलझा लेंगे। यही नहीं रूस ने दोनों देशों की रजामंदी के बिना मध्यस्थता कराने की बात से भी इनकार कर दिया है। भारत में रूसी दूतावास के उप प्रमुख रोमन बबुश्किन ने मंगलवार को कहा था कि उनकी सरकार बातचीत के जरिए पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच तनाव कम होते हुए देखना चाहती है।

राष्ट्रपति भवन में सेना के हवलदार ने लगाई फांसी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में स्थित बैरक में सेना के एक हवलदार टेक बहादुर थापा ने मंगलवार रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। नेपाल के कास्की जिले के रहने वाले थापा शादीशुदा थे। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन साथी जवानों ने बताया कि वह पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द व उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से काफी परेशान थे। कई वर्षों से इलाज के बावजूद आराम नहीं मिल रहा था। अनुमान है कि बीमारी से तंग आकर खुदकुशी करने का कदम उठाया हो। नई दिल्ली जिला के डीसीपी ईश सिंघल के मुताबिक टेक बहादुर थापा गोरखा राइफल्स में हवलदार थे। कुछ समय से राष्ट्रपति भवन में तैनाती थी। वह सी बैरक में रहते थे। मंगलवार रात 9.30 बजे वह टहलते हुए देखे गए थे। बैरक में उनके साथ रहने वाले एक जवान की मंगलवार रात नौ से तीन बजे तक ड्यूटी थी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने महोबा एसपी मणि लाल पाटीदार को किया निलंबित

लखनऊ, जेएनएन। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए महोबा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मणि लाल पाटीदार को निलंबित कर दिया है। सीएम योगी ने लगातार दूसरे दिन राज्य के बड़े पुलिस अधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मणि लाल पाटीदार पर परिवहन में लगी गाड़ियों के चलाए जाने हेतु अवैध रूप से पैसे मांगने और वाहन स्वामी के उत्पीड़न का आरोप लगा है। महोबा में मणि लाल पाटीदार के स्थान पर अरुण कुमार श्रीवास्तव को नियुक्त कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश गृह विभाग के प्रवक्ता के अनुसार महोबा के पुलिस अधीक्षक मणिलाल पाटीदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन पर गिट्टी के परिवहन के लिए लगी गाड़ियों के चलाए जाने के लिए अवैध रूप से धन की मांग की गई थी, जिसे पूरा नहीं किए जाने पर वाहन स्वामी का पुलिस के माध्यम से उत्पीड़न किया गया। आईपीएस अधिकारी पाटीदार को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है और उनके साथ पर लखनऊ कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त अरुण कुमार श्रीवास्तव को महोबा का नया एसपी बनाया गया है।

बता दें कि चौबीस घंटे पहले ही अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था में ढिलाई बरतने और भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया। उन्हें भी पुलिस महानिदेशक कार्यालय से संबद्ध किया गया है। अभिषेक दीक्षित पर एसएसपी प्रयागराज के रूप में तैनाती की अवधि में गंभीर आरोप लगे हैं। उन पर अनियमितताएं करने तथा शासन व पुलिस मुख्यालय के निर्देशों का पालन सही ढंग से नहीं करने का आरोप है। पोस्टिंग में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के आरोप भी उन पर लगे हैं। प्रयागराज में बीते तीन महीनों के दौरान लंबित विवेचनाओं में भी लगातार वृद्धि हुई।

कारोबारी ने वीडियो जारी कर लगाए थे गंभीर आरोप : मणि लाल पाटीदार के खिलाफ धन उगाही और उत्पीड़न का मामला तब और भी गंभीर हो गया, जब शिकायतकर्ता क्रशर एवं विस्फोटक कारोबारी इंद्रकांत त्रिपाठी अपनी कार में गोली लगने से घायल पड़ा मिला। कारोबारी ने दो दिन पहले एक वीडियो जारी एसपी मणिलाल से अपनी जान को खतरा बताया था। गंभीर हालत देखकर जिला अस्पताल से कानपुर रेफर कर दिया गया है। आरजेएस स्टोन क्रशर के पार्टनर इंद्रकांत ने सोमवार शाम को ही वीडियो जारी कर महोबा एसपी से जान का खतरा बताते हुए हत्या की आशंका जताई थी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। कहा था कि उनसे छह लाख रुपये की मांग की जा रही। उन्होंने एसपी पर अवैध तरीके से गिट्टी व मौरंग के वाहन निकलवाने का भी आरोप लगाया। वीडियो में वह हताश नजर आ रहे थे। यह भी कहा, यदि उनकी हत्या होती है तो जिम्मेदार एसपी और और कबरई निवासी विस्फोटक कारोबारी सुरेश सोनी होंगे।

पूजा स्थल को खोलने संबंधी याचिका पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

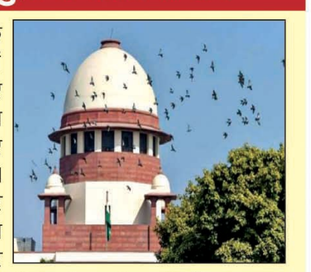

नई दिल्ली, एएनआइ। सभी धर्मों के पूजा स्थलों को खोले जाने के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार है। ये पूजा स्थल कोरोना के कारण मार्च में लगाए गए पहले लॉकडाउन के बाद से बंद हैं। गीतार्थ गंगा ट्रस्ट की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किए हैं। याचिका में नागरिकों, खासकर श्रद्धालुओं के मूलभूत अधिकारों को ध्यान में रखते हुए पूजा स्थल खोले जाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने अपनी मांग के साथ ही हालांकि देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा और आध्यात्मिक प्रसन्नता के प्रति अपनी चिंता जताई है। याचिकाकर्ता ने कहा कि भीड़भाड़ वाले धार्मिक कार्यक्रमों की भले ही छूट न दी जाए लेकिन कड़े नियमों का पालन करते हुए श्रद्धालुओं को सीमित संख्या में पूजा स्थलों में आने-जाने की छूट दी जानी चाहिए। याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार ने विभिन्न आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को कामकाज की छूट दे रखी है, ऐसे में धार्मिक संस्थानों को खुलने की इजाजत न मिलना एक तरह से पक्षपात है। पूजा स्थलों पर राज्य सरकारों की रोक का प्रशासनिक कदम समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। कोरोना की रोकथाम के नाम पर पूजा स्थलों पर पूरी तरह रोक लगाना जरूरी नहीं। सुरक्षा के आवश्यक उपाय कर इन्हें खोला जा सकता है।

शिक्षकों को पदोन्नति के लिए पढ़ाने के साथ अब पढ़ना भी होगा

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद तेज हुई शैक्षणिक सुधारों की मुहिम में शिक्षकों को अब सिर्फ वरिष्ठता के आधार पर ही पदोन्नति नहीं मिलेगी, बल्कि इसके लिए उनके पढ़ाने और पढ़ने जैसे पहलुओं को भी जांचा जाएगा। यानी अब बगैर पढ़ाए या पढ़े किसी भी शिक्षक के लिए पदोन्नति संभव नहीं होगी। खासबात यह है कि इसका आकलन स्कूल स्तर पर उनके सहकर्मियों की ओर से किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय नीति के इन प्रस्तावों पर तेजी से काम करने में जुटा है।

मंत्रालय ने यह रुचि इसलिए भी दिखाई है, क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की शिक्षा और उनके कैरियर आदि को लेकर बड़े सुधारों की पेशकश की गई है। फिलहाल

इसके तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक मजबूत ढांचा भी तैयार किया जाएगा। इसके तहत शिक्षकों की पदोन्नति का जो ढांचा प्रस्तावित किया गया है, उनमें सहकर्मियों की समीक्षा, उपस्थिति, पढ़ाने को लेकर उनके समर्पण के साथ ही स्कूल और समाज में की गई अन्य सेवा आदि शामिल है। इसके अलावा शिक्षकों को अपने खुद के विकास के लिए अब हर साल कुछ घंटे देने होंगे।

फिलहाल जो प्रस्ताव है, उनके तहत प्रत्येक शिक्षक को हर साल खुद के विकास के लिए कम से कम 50 घंटे देने होंगे। हालांकि यह अनिवार्य नहीं होगा, बल्कि स्वैच्छिक होगा। लेकिन पदोन्नति में इसका ब्यौरा शामिल होगा। शिक्षा मंत्रालय ने इसके साथ ही शिक्षकों की शिक्षा में बदलाव को लेकर तेजी से काम शुरू कर दिया है। इसका जिम्मा एनसीईआरटी और एनसीटीई को सौंपा गया है।इसके तहत 2021 तक एक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फेमवर्क तैयार किया जाएगा। जिसके आधार पर शिक्षकों को आने वाले दिनों में तैयार किया जाएगा। फिलहाल नीति में शिक्षकों की शिक्षा के लिए जो कोर्स प्रस्तावित किया गया है, वह चार वर्षीय बीएड है। यानी शिक्षण के पेशे में अब जो भी शिक्षक आएंगे, वह चार वर्षीय बीएड कोर्स करके ही आएंगे। शिक्षकों को इसके साथ ही लीडरशिप और मैनेजमेंट कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा॥

कंगना बोली : उद्धव ठाकरे आज मेरा घर टूटा है कल तेरा घमंड टूटेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कंगना रनोट वाई प्लस कैटिगरी की सुरक्षा के साथ मुंबई पहुंची। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में लोग उनका समर्थन करने पहुंचे। वहीं, दूसरी ओर शिवसेना कार्यकर्ता भी वहां विरोध प्रदर्शन के लिए मौजूद थे। अभिनेत्री कंगना रनोट के मुंबई पहुंचने से पहले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) बांद्रा वेस्ट के पाली हिल रोड पर स्थित कंगना रनोट के दफ्तर के अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। बीएमसी की टीम जेसीबी और मजदूरों के साथ कंगना के दफ्तर पहुंची और अवैध निर्माण को तोड़ा गया। इस बीच कंगना ने बीएमसी की टीम को बाबर की सेना कहा है।

बीएमसी की कार्रवाई के बाद कंगना रनोट ने कहा कि उद्धव ठाकरे तुझे क्या लगता है कि तूने फिल्म माफिया के साथ मिलकर मेरा घर तोड़कर मुझसे बहुत बड़ा बदला लिया है। आज मेरा घर टूटा है कल तेरा घमंड टूटेगा... उद्धव ठाकरे यह वक्त का पहिया है हमेशा एकजैसा नहीं रहता है। आज मैंने महसूस किया है कि कश्मीरी पंडितों पर क्या बीती होगी। आज मैं देश को वचन देती हूं कि मैं कश्मीर पर भी एक फिल्म बनाऊंगी और अपने देशवासियों को जगाऊंगी। मेरे साथ जो हुआ है इसका कोई मतलब है... कोई मायने है।

आरपीआइ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बीएमसी के अधिकारियों की कार्रवाई ठीक नहीं थी। मुंबई में कंगना को डरने की जरूरत नहीं है। संजय राउत ने जो शब्द प्रयोग किए थे वह सही नहीं था। आप कंगना का मुंह तोड़ने की बात कहते हैं। बेहतर होगा कि आप चीन और पाकिस्तान का मुंह तोड़ें। एक महिला के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग उचित नहीं है।

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने अभिनेत्री कंगना का नाम लिए बिना कहा कि उनके बयानों को अनुचित महत्व दिया जा रहा है। लोग उनकी टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। लोग पुलिस के काम को जानते हैं। इसलिए हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है कि कोई क्या कहता है। महाराष्ट्र के मंत्री नितिन राउत ने कहा कि कंगना रनौत एक अभिनेत्री हैं उनकी बयानबाजी को महत्व देना मुनासिब नहीं है। उनको हिदायत देना चाहूंगा कि अपना काम अच्छे से करें, इस पचड़े में न पड़ें। महाराष्ट्र और मुंबई ने ही उन्हें शोहरत दी। जिस माटी ने उन्हें सम्मान दिया, उस माटी का इमान रखना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश के उट जयराम ठाकुर बोले, महाराष्ट्र सरकार का आचरण है ये दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं इसकी भर्त्सना करता हूं। हिमाचल की बेटी कंगना रनौत ने सिर्फ अपनी आवाज बुलंद की और कुछ बातों का जिक्र किया। उन्होंने (महाराष्ट्र सरकार) प्रतिशोध और बदले की भावना से कार्रवाई की है जो सचमुच में दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं कंगना के वकील ने कहा है कि बीएमसी ने उनकी मुवक्किल के बांद्रा स्थित बंगले पर गलत कार्रवाई की है। बीएमसी अवैध निर्माण का झूठा आरोप लगा रही है।

कंगना के ऑफिस पर BMC की कार्रवाई पर महाराष्ट्र पूर्व उट देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि किसी ने आपके (उद्धव ठाकरे) खिलाफ बात कही इसलिए अगर आप तब कार्रवाई करते हो तो ये कायरता है बदले की भावना है और महाराष्ट्र में इस तरह की भावना का कोई सम्मान नहीं हो सकता है... शिवसेना से जुड़े श्रमिक संगठन भारतीय कामगार सेना के सदस्यों ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

बीएमसी अफसरों का कहना है कि कंगना के दफ्तर के अंदर कई अवैध निर्माण किए गए हैं और इसलिए कार्रवाई की गई। इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंची कंगना को राहत मिली है। कोर्ट ने तोड़फोड़ पर रोक लागा दी है। बता दें कि दोपहर 12.30 पर चंडीगढ़ से फ्लाइट से कंगना मुंबई रवाना हुईं। कंगना के साथ बहन रंगोली चंदेल, निजी सहायक और सुरक्षाकर्मी उनके साथ हैं। वाई श्रेणी की सुरक्षा मिलने के बाद सीआरपीएफ दस्ते ने मंगलवार देर रात मनाली पहुंचकर उनकी सुरक्षा का जिम्मा संभाल लिया है। बीते दिनों ही बीएमसी टीम ने कंगना रनोट के दफ्तर का मुआयना किया था और पाया था कि ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पर कई अवैध निर्माण किया गया है। यह दफ्तर कंगना रनोट के स्वामित्व वाली मणिकर्णिका प्रोडक्शंस का है। इसका मतलब है कि कंगना रनौत के मुंबई पहुंचने से पहले उनके दफ्तर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की इस कार्रवाई के खिलाफ कंगना ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अर्जी दायर की है।कंगना की ओर से रिजवान सिद्दीकी ने अर्जी दाखिल की, जिस पर जस्टिस एस कथावाला सुनवाई कर रहे हैं।

बीएमसी की कार्रवाई का अंदेशा कंगना रनोट को पहले से है। इस वजह से कंगना ने आज सुबह ही ट्वीट करके कहा कि मेरे आने से पहले ही महाराष्ट्र सरकार और उनके गुंडे मेरे ऑफिस के बाहर पहुंच गए हैं और उसे गिराने की तैयारी कर रहे हैं। मैं वादा करती हूं कि महाराष्ट्र के सम्मान के लिए खून देने के लिए तैयार हूं। ये कुछ नहीं है, चाहे तो सबकुछ छीन सकते हो लेकिन मेरी भावनाएं लगातर ऊंची होती जाएंगी। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि मणिकर्णिका फि ल्म्ज में पहली फिल्म अयोध्या की घोषणा हुई, यह मेरे लिए एक इमारत नहीं राम मंदिर ही है, आज वहां बाबर आया है, आज इतिहास फिर खुद को दोहराएगा राम मंदिर फिर टूटेगा मगर याद रख बाबर यह मंदिर फिर बनेगा यह मंदिर फिर बनेगा। जय श्री राम , जय श्री राम , जय श्री राम।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, लॉकडाउन के दौरान फ्लाइटों के टिकटों के रिफंड पर स्थिति साफ करे केंद्र

नई दिल्ली, पीटीआइ। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान विमान यात्रा के लिए बुक किए गए टिकटों के बारे में बुधवार को केंद्र सरकार पूछा कि क्या वह कैंसिल कराए गए टिकटों का पूरा पैसा रिफंड करने के लिए तैयार है। सर्वोच्च अदालत ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के हलफनामे का जिक्र करते हुए उक्त सवाल पूछा। डीजीसीए ने सुप्रीम कोर्ट में बीते दिनों कहा था कि लॉकडाउन की अवधि के दौरान घरेलू या अंतरराष्ट्रीय यात्रा के वास्ते बुक की गई टिकटों का पूरा किराया एयरलाइनों द्वारा वापस दिया जाएगा। जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस आर सुभाष रेड्डी और जस्टिस

एमआर शाह की पीठ ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए 25 मार्च से लागू लॉकडाउन के कारण रद उड़ानों के टिकटों का पूरा पैसा लौटाने से संबंधित मामले को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई की। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि यदि 15 मार्च को लॉकडाउन की अवधि से पहले भी टिकट बुक किया गया था तो भी रिफंड किया जाएगा। उन्होंने अदालत को बताया कि वह इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करेंगे।

तुषार मेहता ने कहा कि जहां तक मेरी समझ कहती है मान लीजिए कि लॉकडाउन से पहले 15 मार्च को लॉकडाउन की अवधि में यात्रा के लिए टिकट बुक कराया गया था और यह उड़ान रद्द हो गई तो टिकट की पूरी धनराशि वापस की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि यह टिकट एक दूसरे देश से कहीं और जाने के लिए बुक कराया गया था तो इसका रिफंड सरकार के हाथ में नहीं है। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के दौरान घरेलू या अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए बुक टिकट का पैसा लौटाने का प्रस्ताव दिया गया था। मेहता ने यह भी बताया कि सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि इस वजह से एयरलाइनों को नुकसान नहीं हो। टिकट का पैसा वापस करने के प्रस्ताव को शीर्ष अदालत को मंजूरी देनी होगी। इस मामले में तीन श्रेणियां हैं। घरेलू उड़ान के टिकटों का पूरा रिफंड तो एयरलाइन को करना होगा। वहीं स्पाइसजेट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि वह सरकार के इस रूख से सहमत हैं। इंडिगो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि मोटे तौर पर वह भी इस प्रस्ताव से सहमत हैं। इस पर अदालत ने सभी से हलफनामा दाखिल करने को कहा...

किसानों ने फसल बीमा के लिए प्रीमियम भरा 300 रुपये, मुआवजा मिला चार रुपये

विदिशा, जेएनएन। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मजाक बन कर रह गई है। स्थिति यह है कि किसानों ने जितनी प्रीमियम राशि जमा की उसमें से फसल नुकसान होने पर एक फीसद की राशि मुआवजे के रूप में मिली है। शमशाबाद क्षेत्र की बिछिया सहकारी समिति के अंतर्गत आने वाले 20 फीसद किसानों को चार रुपये से लेकर 100 रुपये तक का मुआवजा मिला है, जबकि इन किसानों ने 640 रुपये प्रति हेक्टेयर के मान से प्रीमियम राशि जमा कराई थी।

ग्राम बिछिया के किसान हमीद खान ने तीन बीघा जमीन के लिए 300 रुपये प्रीमियम राशि जमा कराई थी। उन्हें 4.89 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि मिली है। इसी तरह इसी गांव की मु-?नी बाई को छह रुपये की राशि मिली है। उनके नाम तीन बीघा जमीन है। एग्रीकल्चर इंशोयरेंस नामक फसल बीमा कंपनी ने दो माह पहले वर्ष 2018 में खरीफ फसल को हुए नुकसान के बदले क्षतिपूर्ति राशि जारी की है।

कृषि विभाग के अनुसार, जिले में 62 हजार 915 किसानों के लिए 127 करोड़ रुपये की राशि मंजूर हुई थी।

विभाग के उप-संचालक अमरसिंह चौहान का कहना है कि किसानों को इतनी कम राशि मिलने पर वे बीमा कंपनी को पत्र लिखेंगे। बीमा कंपनी ने दो दिन पहले वर्ष 2019 में खरीफ फसल को हुए नुकसान की राशि जारी की है, जिसमें 1 लाख 2 हजार किसानों के लिए 318 करोड़ रुपये मंजूर किये है। इसमें भी इस तरह की गड़बड़ी की आशंका है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसान से औसत उत्पादन की दो फीसद राशि प्रीमियम की राशि जमा कराई जाती है। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकार 5-5 फीसद राशि अपने हिस्से से बीमा कंपनी में जमा कराती है। नुकसान होने पर बीमा कंपनी हल्केवार नुकसान के आधार पर क्षतिपूर्ति राशि किसान को प्रदान करती है।

NCB आफिस से मुंबई के भायखला जेल पहुंची रिया चक्रवर्ती

मुंबई, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग ऐंगल सामने आने के बाद रिया चक्रवर्ती को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रिया चक्रवर्ती आज भायखला जेल पहुंच गई। मालूम हो, रिया को एनसीबी ने ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया है। अगर कोर्ट रिया की जमानत अर्जी खारिज करता है तो उन्हें 14 दिनों तक जेल में रहना होगा। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग्स के मामले में रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया है।कोर्ट के आदेश के बाद रिया चक्रवर्ती को मंगलवार की रात एनसीबी के लॉकअप में गुजारनी पड़ी। महाराष्ट्र जेल के मैनुअल के मुताबिक, रात में कैदी को जेल नहीं ले जाया जाता है। रिया को बुधवार सुबह 10 बजे के बाद भायखला जेल में शिफ्ट किया जाएगा।

बता दें कि जैसे कैदी को रात के वक्त रिहा नहीं किया जाता, वैसे ही उसे जेल में भी नहीं शिफ्ट किया जाता है। इससे पहले कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती की जमानत अर्जी खारिज कर दी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई सुनवाई में एनसीबी ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद रिया के वकील सतीश मानशि?दे ने रिया के लिए जमानत की अर्जी दी थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। वहीं आज शोविक चक्रवर्ती, जैद और सैमुअल मिरांडा को एनसीबी दफ्तर से कोर्ट ले जाया जा रहा है। तीनों को कोर्ट में पेश करेगा एनसीबी. तीनों की रिमांड की अवधि आज खत्म हो रही है।

बताया जा रहा है कि आज रिया के वकील सेशंस कोर्ट में फिर से उनकी जमानत की अर्जी दाखिल करेंगे। अगर कोर्ट ने बेल नहीं दी तो फिर रिया को 14 दिनों तक जेल में ही रहना पड़ेगा। कल कोर्ट ने रिया की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। वहीं रिया के वकील सतीश मानशिंदे की टीम से एक वकील एनसीबी

ऑफिस पहुंच गई है। अगर रिया को आज सेशंस कोर्ट से बेल नहीं मिलती तो वे जेल में ही रहेंगी। एनसीबी मुंबई के जोनल हेड समीर वानखेड़े रिया को जेल होने के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने सिर्फ दो लाइन में जवाब दिया कि कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती को 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, मंगलवार की रात रिया चक्रवर्ती को एनीसबी दफ्तर में ही रखा जा रहा है। बुधवार की सुबह उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। न्यायिक प्रक्रिया के तहत पहले रिया की ज्यूडिशियल कस्टडी पर कोर्ट ने फैसला सुनाया। इसमें रिया को 14 दिनों तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। जबकि रिया के वकील सतीश मानशदि की ओर से दाखिल जमानत की याचिका पर बाद में सुनवाई हुई। बाद में कोर्ट ने जमानत की याचिका खारिज कर दी।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज गुरूवार,10 सितम्बर, 2020

नैनी से पकड़ा गया भारी मात्रा में अवैध नशीला पदार्थ गांजा

पुलिस की गिरफ्त में गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी

नैनी। नारकोटिक्स विभाग, एसटीएफ व नैनी पुलिस की संयुक्त टीम ने जरिए मुखबिर की सटीक सूचना पर बुधवार तड़के सुबह नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित मेवा लाल की बगिया तिराहे के समीप वाहन चेकिंग के दौरान एक ट्रक व स्कॉर्पियो वाहन को घेराबंदी करते हुए पकड़ा। पुलिस के मुताबिक जांच पड़ताल के दौरान 11 कुंतल 38 किलो आठ सौ ग्राम नशीला पदार्थ (गांजा) बरामद किया गया है। साथ ही नौ आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं बरामद वाहनों में ट्रक, स्कॉर्पियो व बाइक को सीज कर दिया गया। बरामद गांजे की कीमत लगभग 67लाखों में बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कुशीनगर जिले के विष्णुपुरा थाना क्षेत्र के शिकटिया गांव निवासी मनोज सिंह, तराय सुजान थाना क्षेत्र के दबौली गांव निवासी राजन राय, पकड़ीयार पुर पट्टी निवासी अभय कुमार और सुनील वर्मा, दबौली गांव निवासी विनोद पटेल, तमराठी रोड वार्ड नंबर निवासी रितेश कुमार राय, झूंसी क्षेत्र के तुला पुर गांव निवासी राजेश गुप्ता, उतरांव थाना क्षेत्र के बबुआपुर निवासी राधेश्याम गुप्ता व शिवम् गुप्ता शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश से प्रयागराज व कुशीनगर पहुंचाने की थी तैयारी

नैनी। इस संबंध में एसपी क्राइम आशुतोष मिश्रा ने बताया कि नारकोटिक्स विभाग से संबंधित अधिकारियों ने उन्हें जानकारी दी है कि आंध्र प्रदेश से नशीला पदार्थ गांजे की खेप प्रयागराज के साथ ही कुशीनगर में पहुंचाने की तैयारी थी, लेकिन वह अपने मंसूबे पर कामयाब हो पाते, सही समय रहते ही नशे के सौदागरों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार करने वाली टीम

प्रभारी निरीक्षक नैनी राज किशोर, सब इंस्पेक्टर जितेन्द्र सिंह यादव, कांस्टेबल अनिरूद्ध यादव व जय गणेश यादव। नारकोटिक्स टीम कंट्रोल लखनऊ सूचना अधिकारी रामेश्वर दास सिंह, कांस्टेबल अजय कुमार यादव, राकेश कुमार, बृजेश कुमार। एसटीएफ टीम लखनऊ, सब इंस्पेक्टर संतोष सिंह, पंकज कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, चंद्र प्रकाश मिश्रा, कविन्द्र साहनी, कांस्टेबल मृत्युंजय कुमार व हेड कांस्टेबल चालक उपेन्द्र तिवारी शामिल रहे।

बरामद ट्रक व गांजा की बोरियां

आवास आवंटन में धांधली का आरोप, सीडीओ से की शिकायत

करछना। विकास खण्ड करछना के अतर्गत पुरवा मछहर गाव में पात्र लाभार्थियो के आवंटन में व्यापक पैमाने पर धांधली किए जाने की शिकायत ग्रामीणों मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज से की है और धांधली करने वाले विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जाच कराकर दोषी के खिलाफ कार्यवाही की माग की है।उक्त गाव निवासी राजकरन पुत्र रामबहादुर सहित आधा दर्जन लोगो ने शिकायत मे आरोपित किया है कि उनके गांव के पात्र लाभार्थियों को आवास आवंटन में विभागीय अधिकारियों द्वारा घोर लापरवाही की गई है जो पात्र लाभार्थी आवास आवटन किए गये थे उन्हे अपात्र घोषित उनके आवास अपात्र लोगों को सूची मे नाम चयनित दिखाया गय है। जिनके पास पक्का मकान है उनको भी आवास की सुविधा पहुचाई जा रही है वही जो पात्र लाभार्थी है उन्हे आवास से वचित कर दिया गया है। इस तरह की की गई कार्यवाही मे प्रधान से लेकर ब्लाककर्मी भी शामिल है जिनके खिलाफ जाच कराकर कार्यवाही की जाए और पात्रो को आवास मुहैया कराया जाए।

63 मेगा वाट ट्रांसफार्मर जलने से करीब 150 गांव की विद्युत व्यवस्था प्रभावित

हनुमानगंज। उक्त ट्रांसफार्मर के जलने से गंगापार के कई गांव की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। बता दें कि उक्त पावर हाउस में 63 मेगा वाट के दो ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं जिसमें एक ट्रांसफार्मर पिछले 4 दिनों से जल गया है जिसको लेकर कुल 11 फीडरों के अंतर्गत आने वाले करीब 150 गांव प्रभावित हुए हैं। जहाँ बिजली की ब्यवस्था पूरी तरह से चरमारा गयी है ग्रामीण क्षेत्रों के उपकेन्द्र से होने वाली विद्युत आपूर्ति में भारी कटौती की जारही है जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजिली लोगों को मिलती थी वहीं अब इन दिनों दिन रात मिलाकर के मुश्किल से मात्र 10 घंटे बिजली मिल पारही है जिससे इस उमस भरी गर्मी में लोगों का जीना हराम हो गया है वहीं किसानों कि धान कि फसलों की सिंचाई नहीं हो पारही है। दिन में हर एक आधे घंटे में बिजिली ट्रिप करजाती है। उक्त 63 मेगावाट के ट्रांसफार्मर जलने से क्षेत्र के कोटवां, मलावां, हेतापट्टी, उमरी, बलरामपुर, हनुमानगंज, छिबैयाँ, आवास विकास झूँसी, सहित कुल 11 फीडर प्रभावित हुए हैं जहाँ इन दिनों कोटवां डिसटीब्यूशन जेई रमाशंकर के मुताबिक समस्या आने से बिजली की आपूर्ति रोस्टर के अनुसार की जारही है।

जांच पड़ताल करने पहुंचे विभागीय अधिकारी

ट्रांसमिशन विभाग के एसडीओ एसके गुप्ता झूँसी डिवीजन के मुताबिक जहाँ 63 मेगा वाट के दो ट्रांसफॉर्मर से आपूर्ति की जाती थी वहीं अब एक से ही इन दिनों हर फीडरों पर विद्युत आपूर्ति की जा रही है। जहां बिजली की कटौती सुबह की जाती थी वही अब पीक आवर्स लोड बढ़जाने से यह कटौती अब शाम को की जा रही है लेकिन फिर भी हम पूरा प्रयास कर रहे हैं और रोस्टर के अनुसार यहां से 18 घंटे उप केंद्रों को बिजली आपूर्ति बहाल की जा रही है लेकिन कुछ डिस्ट्रीब्यूशन की कमी से कुछ फीडरों पर बिजली की कटौती अधिक होरही है। जिससे लोगों को समस्या हो रही है। उक्त 63 मेगा वाट का ट्रांसफार्मर उत्तराखंड के सितारगंज लाया जा रहा है जो लखनऊ तक गाड़ी पहुंच गई है संभवत गुरुवार तक आ जाएगा जिसके बाद उसको 2 दिन लगाने में लग जाएगा उसके बाद विद्युत समस्या दूर हो जाएगी।

विद्युत कर्मियों ने भरी हुंकार, सहयोग आंदोलन के तहत कार्यस्थल पर रहकर कर रहे हैं कार्य

जनप्रतिनिधियों द्वारा निजीकरण के विरोध में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया

निजीकरण को लेकर आंदोलन करते विद्युत कर्मी

नैनी। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन उत्तर प्रदेश शाखा प्रयागराज केंद्रीय नेतृत्व के आवाहन पर सहयोग आंदोलन के तहत सभी अवर अभियंता व प्रोन्नत अभियंता बीते आठ सितंबर 2020 से सुबह 10:00 बजे से अगले 48 घंटे अनवरत कार्य स्थल पर उपस्थित होकर अपने कार्य को जारी रखे हुए हैं। सरकार द्वारा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रस्तावित निजीकरण के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए अवर अभियंताओं ने बताया कि निजीकरण केवल कर्मचारी विरोधी ही नहीं बल्कि किसान व युवा एवं उपभोक्ता विरोधी भी है। निजीकरण के पश्चात सभी उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति प्रति यूनिट 10 रूपए से अधिक दर पर मिलेगी और निजी घरानों द्वारा लाभ कमाने के लिए उपभोक्ताओं को मिलने वाली क्राश सबसिडी व ब्याज माफी योजनाएं भी हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। साथ ही रोजगार तलाश कर रहे प्रतियोगी युवाओं को भी निराशा झेलनी पड़ेगी। केंद्रीय नेतृत्व के आवाहन पर जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत जनप्रतिनिधियों द्वारा निजीकरण के विरोध में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष इंजीनियर अजीत पटेल, जनपद सचिव इंजीनियर इंद्रेश यादव, इंजीनियर बृजेश पांडेय, इंजीनियर विपिन गुप्ता, इंजीनियर अमित राय, इंजीनियर प्रीतम चौरसिया, इंजीनियर आलोक कुमार सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

न्यायालय की अवहेलना पर घूरपुर एसओ को एसडीएम ने किया तलब

जमीन अवैध रूप से कब्जा करने का मामला गहराया

घूरपुर। घूरपुर थाना अध्यक्ष भुवनेश चौबे को एसडीएम करछना आकांक्षा राना ने गुरुवार को तलब किया है। न्यायालय के पूर्वर्ती आदेशों का अनुपालन न करने के कारण थाना अध्यक्ष को तलब किया गया है। एसडीएम करछना ने अवैध रूप से जमीन पर कब्जा की पूर्ववत स्थिति पुनः बहाल कर न्यायालय में उपस्थित होने को कहा है।

घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा पुलिस चौकी के अंतर्गत चंद्रभान सिंह पुरा गांव में वादी मोहम्मद शरीफ एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर भूमिधरी जमीन आरजी नं. 914 पर विपक्षी दरबारी लाल अवैध रूप से कब्जा की नियत से पहले लोहे का रॉड गाड़ा फिर टीनशेट डाल दिया। जबकि दरबारी लाल की जमीन 913 है और मुकदमा भी दोनों का चल रहा है। एसडीएम ने पूरे मामले को संज्ञान में लिया। करमा राजस्व निरीक्षक सत्येंद्र मिश्रा को इस मामले में जांच कर रिपोर्ट करने का आदेश दिया। हल्का लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की जांच में दरबारी लाल अवैध रूप से कब्जा की बात सामने आई जिस पर एसडीएम करछना को पूरी जानकारी दी गई। इसके बाद एसडीएम ने घूरपुर पुलिस को अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया था। इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिस पर एसडीएम करछना ने थाना अध्यक्ष घूरपुर को तलब किया है।

सर्किल रेट से किसानों को नही दे रहे मुआवजा

करछना। क्षेत्र के भीरपुर फ्लाईओवर के लिए किसानों की अधिग्रहीत की गई भूमि का मुआवजा देने मे विभाग कर रहा आनाकानी पीड़ित किसान उच्चाधकारियों की चौखट पर कर रहे है फरियाद। रेलमत्रालय द्वारा सभी क्रासिंगों को बंद कर जगह-जगह फ्लाई ओवर का निर्माण करा रही है जिसको लेकर किसानों की भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है इसी क्रम मे तहसील क्षेत्र के घोड़ेडीह गांव के निवासी छोटेलाल शर्मा ने अपर जिलाधिकारी वित्त एव राजस्व से शिकायत की है कि 6 माह पूर्व सेतुनिगम के कुछ अधिकारियों ने मेरे जमीन पर चिन्हिकरण कराया था और बताया गया था कि आपकी की जमीन फ्लाईओवर के दायरे में आने से अधिग्रहीत कर ली गई लेकिन मुआवजा सर्किल से दुना देने की बात कही गई थी। लेकिन अब विभागीय अधिकारियों द्वारा अधिग्रहीत की गई जमीन का उचित मुआवजा देने में आनाकानी कर रहे हैं पीड़ित किसान ने उच्च अधिकारियों से शिकायत करते हुए अनुरोध किया है कि अधिग्रहीत की गई जमीन का उचित मुआवजा दिलाया जाए। इसी तरीके से और किसानों के सामने मुआवजे को लेकर आवाज उठाई ज रही है।

सीएचसी में 39 की हुई कोरोना जांच, दो पाजिटिव

करछना। बुधवार को सीएचसी करछना में 39 लोगो की हुई कोरोना जांच मे दो लोग पाजटिव पाये गये। अधीक्षक डा0 जी तिवारी ने बताया कि पाजटिव व्यक्तियों में एक छरिबना और मनैया के हैं। उन्होने सभी से अस्पताल में जांच कराने की अपील की है।

ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड के गठन हेतु पोस्टकार्ड अभियान

ट्रांसजेंडरों की समस्याओं का निदान आवश्यक : नाजिम अंसारी

प्रयागराज। अबुल कलाम आजाद जन सेवा संस्थान एवं समर्पित ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में उत्तर प्रदेश में ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड के गठन हेतु महेवा, नैनी में पोस्टकार्ड अभियान चलाया गया गया। उक्त अभियान में 03 दर्जन से अधिक लोगो ने भाग लिया। पोस्ट कार्ड के माध्यम से लोगो ने उत्तर प्रदेश मे मुख्यमंत्री से ट्रांसजेंडरो के हक में 5 विंदुआर मांगे रखी गई हैं। जिसमें मुख्य मांगें उ०प्र० ट्रांसजेंडर बेलफेयर बोर्ड गठित किया जाय। और प्रदेश के समस्त किन्नरों को कलाकार के रूप में मान्यता देकर, सरकारी आयोजनो में कार्यक्रम दिया जाय तथा सरकारी नौकरियों में किन्नरों को वरीयता दिया जाय। एवं सरकार द्वारा गठित होने वाली अन्य समितियों में किन्नरों को भी नामित किया जाय। और किन्नरों को स्वरोजगार हेतु सरकार के द्वारा अनुदान दिया जाय। पोस्ट कार्ड अभियान के दौरान समर्पित ट्रस्ट में चेयरमैन नाजिम अंसारी ने बताया कि ट्रांसजेंडरो की उक्त मांगो हेतु हम विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से प्रयागराज के आलावा उत्तर प्रदेश के वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, कौशाम्बी, फतेहपुर, कानपुर, इटावा आदि जिलो में भी पोस्ट कार्ड अभियान चलाया जायेगा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी को प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में पोस्टकार्ड भेजा जायेगा। जिससे उत्तर प्रदेश सरकार तक ट्रांसजेंडरो की समस्याएँ पहुँच सके और इनकी मांगों का निदान हो सके। इस अभियान में मुख्य रूप से सोनी, सिवांगी, हरिओम, शकुंतला देवी आदि लोग उपस्थित थे।

पोस्टकार्ड अभियान में शामिल लोग

हाईकोर्ट समाचार

लैब तकनीशियन भर्ती में राज्य सरकार को बड़ी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लैब तकनीशियन भर्ती मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लैब तकनीशियन भर्ती-2016 की वैधानिकता के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि चयन प्रक्रिया में कोई अवैधानिकता नहीं है। कोर्ट के आदेशानुसार नियमों का पालन करते हुए चयन किया गया है। कोर्ट ने सभी दर्जनो याचिकाएं खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने नमित पांडेय व दर्जनो अन्य याचिकाओं पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता सीमांत सिंह व विपक्षी की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता आर के ओझा व आयोग की तरफ से अधिवक्ता के.एस कुशवाहा ने बहस की। कोर्ट ने विन्दुवार उठाये गए सभी मुद्दों पर विचार करते हुए फैसला दिया है। कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश से पहले ही चयनित अभ्यर्थियों की कोविड 19 के प्रकोप के कारण नियुक्ति पर लगी रोक को खत्म करते हुए उनकी अस्पतालों में तैनाती की छूट दे दी थी। कोर्ट ने कहा है कि लैब तकनीशियन भर्ती के लिए 20 दिसंबर 2003 के शासनादेश व नियम अनुसार इंटर पास राज्य मेडिकल फैकल्टी में पंजीकृत लैब तकनीशियन डिप्लोमा धारकों को ही योग्य करार दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि विज्ञापन शर्तों में पंजीकृत होने की शर्त नहीं थी। ऐसे चयनित अभ्यर्थियों को पंजीकृत होने का मौका दिया और साक्षात्कार में एक पद पर तीन को बुलाने के लिए कट आफ मार्क में ढील दी। इसलिए यह कहना सही नहीं है कि गेम के बीच में नियम बदले गये। कोर्ट ने कहा कि याचियों ने चयन में दुर्भावना व पक्षपात का आरोप नही लगाया है और चयन में अवैधानिकता का साक्ष्य नहीं दे सके। कोर्ट ने कहा कि केवल सामान्य और निराधार आरोपों पर चयन प्रक्रिया रद्द नहीं की जा सकती।

बालिग के शादीशुदा जीवन में किसी को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घर से भागकर शादी करने वाले बालिग जोडे.को पुलिस के उत्पीड़न से सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 2018 में पास्को एक्ट के तहत चल रहे मुकदमा कानून के तहत निर्णीत किया जाय। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा है कि यदि लड़का लड़की दोनो बालिग हैं तो वे अपनी मर्जी से रह सकते है। माता-पिता सहित किसी को भी उनके शादीशुदा शांतिपूर्ण जीवन में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति डाक्टर के जे ठाकर ने कानपुर नगर की प्रिया वर्मा व अन्य की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि इस समय दोनो बालिग है। एफआईआर दर्ज करते समय नाबालिग थे। इनके शादीशुदा जिंदगी में फर्क नही पडेगा। कोर्ट ने कहा है कि यदि कोई याचियों को परेशान करे तो वे पुलिस से संरक्षण मांगे और पुलिस उनको संरक्षण दे। कोर्ट ने कहा कि यदि परिवार के लोगों को लगता है कि फर्जी दस्तावेज से आदेश लिया गया है तो वे इस आदेश की वापसी की अर्जी दे सकते हैं।

बीएसए पर अवमानना आरोप निर्मित, कोर्ट ने शीघ्र सुनवाई की अर्जी खारिज की

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जुलाई 1994 से मृतक आश्रित कोटे में नियुक्त जूनियर हाईस्कूल के सहायक अध्यापक को वेतन भुगतान के आदेश की अवमानना याचिका की शीघ्र सुनवाई से यह कहते हुए इंकार कर दिया है कि आदेश की अवहेलना करने वाले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बलिया संतोष कुमार राय के खिलाफ आरोप निर्मित किया गया है। कोविड 19 के प्रकोप के कारण अभी नार्मल ढंग से कोर्ट नहीं चल रही है। जब सामान्य स्थिति हो तो अवमानना की शीघ्र सुनवाई की मांग में दुबारा अर्जी दाखिल की जाय। यह आदेश न्यायमूर्ति वी.के बिडला ने लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा की अवमानना याचिका पर दाखिल शीघ्र सुनवाई की अर्जी को निरस्त करते हुए दिया है। याचिका पर याची के अधिवक्ता का कहना था कि याची 2 जुलाई 94 से जूनियर हाईस्कूल बलिया में बिना वेतन के पढ़ा रहा है। वह भुखमरी के कगार पर है। उसकी नियुक्ति मृतक आश्रित कोटे में की गयी है। हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल 2002 को याचिका मंजूर कर ली और बीएसए को नियमित वेतन भुगतान का निर्देश दिया। साथ ही 9 फीसदी व्याज के साथ बकाये वेतन का तीन माह में भुगतान करने का भी निर्देश दिया है। जिसका पालन नही किया गया है। कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गयी है। कोर्ट द्वारा आदेश पालन का समय दिया गया। फिर भी पालन नहीं किया गया तो कोर्ट ने आदेश की जान बूझकर अवहेलना करने का अवमानना आरोप निर्मित किया और जवाब मांगा। 23 जुलाई 19 को याचिका की सुनवाई नही हो सकी। इसके बाद लाकडाउन के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। तो याची ने कोर्ट से शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई। कोर्ट ने नार्मल कोर्ट कार्यवाही सुचारू रूप से चलाये जाने पर कोर्ट में आने की सलाह देते हुए अर्जी खारिज कर दी है।

आवेदन की छोटी गलती सुधारने की अनुमति देने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा फार्म में सर्टिफिकेट व अंक पत्र नंबर की गलती को छोटी गलती मानते हुए सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी व सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज को गलती सुधारने की अनुमति देने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने धर्मेन्द्र कुमार व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता सत्येन्द्र चंद्र त्रिपाठी ने बहस की। इन्होने कोर्ट के फैसलों के हवाले से गलती सुधारने की अनुमति देने की मांग की थी। जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसी अनुमति देने से चयन प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ता है।

दहेज हत्या के आरोपी की जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज हत्या के आरोपी की अपील पर शीघ्र सुनवाई की संभावना न होने और सात साल की सजा में से 6 साल जेल में बिता चुकने पर विचार करते हुए जमानत मंजूर कर ली है और उसे रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अर्विन्द कुमार मिश्र ने आजमगढ़, महाराजगंज के अमरनाथ यादव की जमानत अर्जी की सुनवाई करते हुए दिया है। अर्जी पर अधिवक्ता निर्विकल्प पांडेय ने बहस की। इनका कहना था कि सत्र न्यायालय ने सजा सुनाने में साक्ष्यों का सही परिशीलन नही किया है। याची को अधिकतम सात साल की सजा सुनाई गई है और वह छह साल जेल मे बिता चुका है। सजा के खिलाफ अपील की जल्दी सुनवाई होने की संभावना नहीं है। ऐसे मे जमानत पर रिहा किया जाय। याची पर अपनी पत्नी का दहेज उत्पीड़न करने व गला दबाकर 9 जून 14 को उसकी हत्या करने का आरोप है।

ठेके पर स्टैम्प शुल्क जमा कराने के आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि ठेकों की स्वीकृति पर स्टैम्प एक्ट के अनुच्छेद 57 बी शैड्यूल 1बी के विपरीत स्टैम्प शुल्क नहीं लिया जा सकता। कोर्ट पहले ही स्टैम्प शुल्क वसूली को अवैध करार दे चुकी है। इसके बावजूद विभाग जबरन सिक्योरिटी के साथ स्टैम्प शुल्क जमा करा रहे हैं। कोर्ट ने लोक निर्माण विभाग के सचिव को इस आशय का सर्कुलर जारी करने का निर्देश दिया है ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से हाईकोर्ट में न आना पडे.। यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. कौशल जयेन्द्र ठाकर ने मेसर्स योगेन्द्र कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने याची से स्टैम्प शुल्क जमा कराने के आदेश को रद्द कर दिया है। याची को मथुरा में सड़कों की मरम्मत का ठेका मिला। उसे सिक्योरिटी व स्टैम्प शुल्क 10 दिन में जमा करने का समय दिया गया। याची ने अनुच्छेद 57बी की आपत्ति की। 8 माह बीत जाने के बाद ठेके का क्या हुआ इसका पता नहीं लगा। इस पर कोर्ट ने स्टैम्प शुल्क जमा कराने के आदेश को रद्द कर सचिव को सर्कुलर जारी करने का निर्देश दिया है।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

बीमारी से बचाव करना उपचार से बेहतरः डॉ चौरसिया

प्रयागराज। पशु चिकित्साधिकारी होलागढ़ डॉ. बलराम चौरसिया ने बुधवार को सराय हरीराम में आयोजित पशुपालक गोष्ठी में किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि बीमारी से बचाव करना उपचार कराने से बेहतर होता है।

उन्होंने बताया कि पशुओं को होने वाली संक्रामक बीमारियों में गलाघोंटू, बी क्यू, खुरपका मुंहपका सबसे प्रमुख हैं। इनके होने पर पशुधन की काफी क्षति होती है। इन रोगों से बचाव के लिए समय समय पर रोग निरोधक टीकाकरण कराया जाता है। इस समय खुरपका मुंहपका रोग से बचाव हेतु रोग निरोधक टीकाकरण पशुधन प्रसार अधिकारी और वैक्सीनेटरों के सहयोग से कराया जा रहा है। जिसका अधिक से अधिक लोग लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समस्त पशुपालकगण अपने पशुओं को रोग निरोधक टीकाकरण अवश्य करा लें। गोष्ठी के बाद पशुओं में खुरपका मुंहपका निरोधक टीकाकरण भी किया गया। इस अवसर पर प्रधान नैना, वैक्सीनेटर विनोद कुमार, बद्री प्रसाद, पंकज, पशुपालक अजय, सूरज, तूफानी, सीता देवी, संगीता सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अपर मुख्य सचिव ने कोविड-19 की समीक्षा की

बेली अस्पताल एवं रेलवे अस्पताल में बढ़ाये जायेंगे आईसीयू बेड, मोबाइल टीम एवं सर्विलांश टीम की संख्या को और बढ़ाये जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/नोडल अधिकारी, प्रयागराज, डॉ0 रजनीश दुबे एवं सुधीर गर्ग, प्रमुख सचिव वन एवं पर्यावरण ने बुधवार को सर्किट हाउस सभागार में जिला एवं मण्डल स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कोविड-19 की समीक्षा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कोविड-19 के संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोकने हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रमों एवं भर्ती मरीजों के उपचार तथा उनकी देखभाल की समीक्षा करते हुए कहा कि हम सभी के द्वारा पूर्ण प्रयास किया जाये कि कोविड-19 से किसी की मृत्यु न होने पाये। उन्होंने तेज बहादुर सप्रू अस्पताल में 20 और आईसीयू बेड बढ़ाये जाने तथा रेलवे अस्पताल में कुल 60 बेड़ों में से 30 आईसीयू बेड़ बनाये जाने तथा ऑक्सीजन एवं वेंटीलेटर सहित सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने मोबाइल टीम एवं सर्विलांश टीम की संख्या बढ़ाते हुए सैम्पलिंग की संख्या को और बढ़ाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन लगभग 4000 टेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। अपर मुख्य सचिव ने 17 और मोबाइल टीम बढ़ाकर कुल 30 मोबाइल टीम की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कोरोना पॉजिटिव मरीजों के सम्पर्क में आने वाले शत-प्रतिशत लोगो की कान्टैक्ट टेजसिंग कर उनकी जांच कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कंटेनमेंट जोन का प्रभावी ढंग से अनुश्रवण किए जाने को कहा है। उन्होंने कहा कि कंटेनमेंट जोन में शत-प्रतिशत नियमित रूप से सैनिटाइजेशन की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने नगर आयुक्त को इसकी क्रांस चेकिंग कराये जाने के लिए कहा है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि जितना अधिक से अधिक सैम्पलिंग होगी, उतनी ही जल्दी से इसके संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। अपर मुख्य सचिव ने शहर क्षेत्र में सैम्पलिंग का कार्य और प्रभावी ढंग से कराये जाने के लिए कहा है।

सर्किट हाउस सभागार में जिला एवं मण्डल स्तरीय अधिकारियो के साथ कोविड-19 की समीक्षा करते अपर मुख्य सचिव

अपर मुख्य सचिव ने प्राइवेट अस्पतालों के द्वारा मरीजों के भर्ती किए जाने एवं उनकी गम्भीर स्थिति हो जाने पर उनको डिस्चार्ज कर सरकारी अस्पतालों में रिफर किए जाने को गम्भीरता से लेते हुए ऐसे अस्पतालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये है। उन्होंने होम आइशोलेशन में रह रहे प्रत्येक व्यक्ति के पास शत-प्रतिशत किट की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। बैठक में मण्डलायुक्त-आर रमेश कुमार, जिलाधिकारी-भानु चन्द्र गोस्वामी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक-सर्वश्रेष्ठ तिवारी, एसजीपीजीआई मेडीसिन के विभागाध्यक्ष-प्रो0 आर0के0 सिंह, नगर आयुक्त-रवि रंजन, मुख्य विकास अधिकारी- आशीष कुमार, अपर निदेशक स्वास्थ्य, मुख्य चिकित्साधिकारी- जी0एस0 वाजपेयी, मेडिकल कालेज के प्राचार्य-डॉ0 एस0पी0 सिंह, अपर जिलाधिकारीगण एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अपर मुख्य सचिव ने एसआरएन हॉस्पिटल में नई बनी इमारत एवं मेडिकल कालेज में कोबास लैब का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

प्रयागराज। अपर मुख्य सचिव डॉ0 रजनीश दुबे ने स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के नई बनी इमारत में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने वहां पर बनाये गये हेल्प डेस्क, सिटी स्कैन, डिजिटल एक्सरे, डायलिसिस, अल्ट्रासाउंड आदि व्यवस्थाओं के बारे में प्राचार्य डॉ0 एस0पी0 सिंह से जानकारी ली। प्राचार्य से पूछा कि परिसर में लगी फायर मशींग क्रियाशील अवस्था में है या नहीं साथ ही साथ एसटीपी का काम अपूर्ण होने पर इस कार्य को 15 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश दिये। अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए लगी लिफ्ट के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि जो भी लिफ्ट क्रियाशील नहीं है, उन्हें 15 सितम्बर के पूर्व क्रियाशील कर दिया जाये। उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित करते हुए कहा कि नई इमारत में आने के लिए मेन गेट से ही साइनेज लगवायें जाये, जिससे कि मरीजों को इधर-उधर भटकना न पड़े। साथ ही कोविड रोगियों के लिए बनाये गए डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों के लिए आवश्यक सामानों की व्यवस्था करने के साथ ही वहां पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने को कहा, जिससे कि मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही वहां पर मरीजों के खान-पान की बेहतर व्यवस्था रखने के निर्देश दिये। इसके उपरांत मेडिकल कालेज पहुंचकर वहां पर बनाये जा रहे कोबास लैब का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराने को कहा, जिससे कोरोना की टेस्टिंग की क्षमता को और बढ़ाया जा सके। उन्होंने मेडिकल कालेज के सैमिनार हॉल में मौजूद चिकित्सकों से बात की। उन्होंने कहा कि आइसीयू बेड़ की संख्या को और अधिक बढ़ाने की जरूरत है, इस पर तीव्र गति से कार्य किया जाये, क्योंकि जनपद में बाहर से भी मरीज अपना इलाज कराने के लिए आते है। उन्होंने कहा कि हमें मृत्यु दर में कमी लाने के लिए अपने स्तर से सभी प्रयास करना है। साथ ही प्रधानाचार्य को प्लाज्मा थेरेपी को जल्द से जल्द शुरू कराने के निर्देश दिये एवं प्लाज्मा डोनेट करने वालों की लिस्ट जल्द से जल्द बनवायें साथ ही कोरोना से ठीक हो चुके लोगो से सम्पर्क स्थापित कर उन्हें प्लाज्मा डोनेट करने के लिए प्रेरित करें।

वृद्ध किसान की सिर कूचकर हत्या

प्रयागराज। माण्डा थाना क्षेत्र के भरारी गांव में मंगलवार की रात घर के बाहर हो रहे एक वृद्ध की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। बुधवार की सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस परिजनों की तहरीर पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

माण्डा के भरारी गांव निवासी शोभनाथ यादव (72) खेती करके एक पुत्र और चार बेटियों एवं पत्नी अशरफी देवी का किसी तरह परिवार के सदस्यों का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन की तरह मंगलवार की रात भोजन करके घर के बाहर स्थित विस्तर पर सो गया। बुधवार की सुबह परिवार के लोगों ने उसे खून से लथपथ देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया। बताया जा रहा है आटा चक्की के पत्थर से उसके सिर में वार करके मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

अपर पुलिस अधीक्षक यमुनापार चक्रेश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार की रात एक वृद्ध की हत्या कर दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। हत्याकांड के खुलासे के लिए टीमें सुराग तलाशने में लगी हुई है।

बेरोजगारों ने मोमबत्ती जलाकर देशभर में दिया बेरोजगारी का सबूत

निजीकरण के विरोध कर रहे देशभर में कर्मचारियों ने लाइट ऑफ कर जलाई मोमबत्ती

प्रयागराज। काफी अरसे से नौकरियां का इंतजार कर रहे बेरोजगार युवक-युवतियों ने बुधवार की रात 9:00 बजे अपने अपने कमरों की लाइटें बंद कर मोमबत्ती जलाकर बेरोजगारी का सबूत पेश किया। वैसे तो देशभर में बेरोजगार युवकों के साथ-साथ निजीकरण का विरोध कर रहे सरकारी कर्मचारियों ने भी घर की लाइट ऑफ कर मोमबत्ती जलाकर मोदी सरकार, योगी सरकार को जबरदस्त तरीके से संदेश दिया कि हम सभी कर्मचारी निजीकरण के खिलाफ हैं। जहां तहां कर्मचारियों ने संबोधित भी लोगों को किया पर ज्यादातर कर्मचारी तथा बेरोजगार छात्र छात्राएं सोशल मीडिया के माध्य से भी अपना अपना विरोध जारी रखा। एक तरफ जहां बेरोजगार छात्र छात्राएं'मोमबत्ती जलाकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शित किया वहीं दूसरी तरफ भारत सरकार के उत्तर प्रदेश सरकार के कर्मचारी भी पीछे नहीं रहे उन सभी कर्मचारियों ने अपने अपने कमरों का लाइट ऑफ कर मोमबत्ती जलाया पर हम बात करेंगे प्रयागराज की। प्रयागराज में देश के विभिन्न कोने-कोने से आकर छात्र, छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करते हैं 'वहीं ज्यादातर छात्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र भी होते हैं। पर जिस तरह से छात्र-छात्राओं ने रात्रि के 9:00 बजे अपने कमरों की लाइट ऑफ करके मोमबत्ती जलाकर बेरोजगारी का सबूत पेश किया यह योगी सरकार पर सवालिया निशान पैदा कर रहा है। प्रयागराज शहर के कटरा, मंफोर्डगंज छोटा बघाड़ा, अल्लापुर, कीडगंज, तुला राम बाग, इत्यादि मोहल्लों में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों का हुजूम मोमबत्ती लेकर सड़क पर भी उतर आया । हालांकि प्रशासन उन को समझा-बुझाकर घर भेज दिया ' इन बेरोजगारछात्र-छात्राओं के साथ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता कांग्रेश पार्टी के कार्यकर्ता भी इनका साथ दिए । मोमबत्ती जला रहे छात्रों का कहना था कि हम लोग बाहर से आकर यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करते हैं। पहली बात की कोरोना महामारी के वजह से कोचिंग छूट गया। हर परिवार की हालत खस्ता है। लोगों का रोजगार छूट गया काफी संख्या में कंपनियां बंद हो गई, काफी लोग बेरोजगार हो गए। फिर भी हम लोग अपना पढ़ाई जारी रखे हैं' पर सरकार की रवैया से ऐसा नहीं लग रहा है कि आने वाले समय में हम लोगों को रोजगार मिलेगा' यह बात यह बात तो बेरोजगार छात्र छात्राओं की हो गई जो कि सरकार पर आरोप लगाते नजर आए कि कई वर्षों से कोई भी नौकरी या नहीं मिलने से हम हम छात्र-छात्राएं काफी परेशान हैं कुछ छात्र-छात्राएं काफी परेशान हैं कुछ छात्र-छात्राएं डिप्रेशन की शिकार भी हो गई हैं। छात्र-छात्राओं का साथ देने के लिए व्यापारी वर्ग भी उनका साथ दिया। सड़क के किनारे पटरियों पर छोटे-मोटे दुकानदारी करके अपना जीविकोपार्जन कर रहे थे वह भी छात्र छात्राओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए।

आगामी विधानसभा चुनाव में मुंह तोड़ जवाब देंगे बेरोजगार

कटरा इलाके में रोजगार छात्रों का हुजूम मोमबत्ती जलाते हुए सड़क पर निकल आया तो रोजगार छात्रों में से ही कुछ छात्र कह रहे थे कि बेरोजगारी की हाय योगी सरकार को निश्चित तौर पर लगेगी इसका मुंहतोड़ जवाब सभी बेरोजगार नौजवान छात्र-छात्राएं आगामी विधानसभा होने वाले चुनाव में इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। देश में मोदी तथा प्रदेश में योगी की सरकार केवल हवा हवाई बातें करती हैं किस तरह से किस परिस्थिति में हम लोग रह कर के परिवार छोड़ कर के यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करते हैं। कोई रिजल्ट भी प्रकाशित होता है तो वह हाईकोर्ट में चला जाता है 'हाई कोर्ट का निर्णय होते होते काफी वक्त गुजर जाता है । पर वर्तमान समय में प्रदेश सरकार की जो नीतियां हैं वह काफी शर्मनाक है नौकरिया तो योगी सरकार दे नहीं रही है वहीं दूसरी तरफ मोदी सरकार तमाम विभागों को निजी करण करने में जुटी हुई है। मोदी योगी और मोदी सरकार के खिलाफ तमाम वह सरकारी कर्मचारियों ने भी निजी करण को लेकर के अपने अपने कमरों की लाइटें बंद करके मोदी योगी सरकार के खिलाफ विरोध जताया।

भाजपा कार्यकर्ता एवं लोकतंत्र आधारित पार्टी : रत्नाकर

प्रयागराज। भाजपा महानगर प्रयागराज के तत्वावधान में बुधवार को आयोजित शहर दक्षिणी विधानसभा की वर्चुअल प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य वक्ता काशी गोरख क्षेत्र के संगठन मंत्री रत्नाकर ने कार्यकताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचार एवं कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। अपने उद्देश्यों एवं सिद्धांतों के लिए कार्य करती है। उन्होंने कहा कि जिसके लिए शासन सत्ता समाज के अनुसार परिवर्तन के लिए कार्य करना होता है। जिसका सीधा उदाहरण है राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 को समाप्त करना, सीएए लागू करना, तीन तलाक का कानून बनाना। समाज ऐसे जटिल समस्याओं से जूझ रहा था इसमें परिवर्तन चाह रहा था और जब भाजपा की सरकार बनी तब उसने यह कार्य किया। उन्होंने कहा कि हम समाज में परिवर्तन के लिए आए हैं। इसलिए समाज को विश्वास में लेकर समाज के सभी वर्गों को जोड़कर कार्य करना होगा। भाजपा लोकतंत्र आधारित संगठन है, जिसमें बूथ का कार्यकर्ता भी अपने कार्यों के बदौलत राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। जबकि अन्य दलों में ऐसा नहीं है। आप सब अपने सेक्टर की बूथ समितियों के कार्यकताओं से संवाद एवं संपर्क स्थापित करते हुए एक अधिकारी के रूप में नहीं बल्कि उनके साथ आत्मीयता का भाव जोड़कर पार्टी द्वारा आए सभी कार्यों एवं सरकार की सभी योजनाओं की चर्चा करे और कार्य करें।

कांग्रेसियों ने निकाला कैंडल मार्च

प्रयागराज। बेरोजगारी के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस के आवाहन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कांग्रेसी नेता हसीब अहमद के नेतृत्व में लोकनाथ भारती भवन से सुलाखी चौराहे तक स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर कैंडल मार्च निकाला और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण देश मे बेरोजगारी चरम पर है।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

मुंशी अपहरण कांड के दो आरोपी गिरफ्तार

नैनी । तीन दिन पूर्व नैनी थानाक्षेत्र के मेवालाल की बगिया चौराहे पर ईंट भट्ठे से लौट रहे भट्ठाकर्मी को अगवा करके चित्रवूष्ठट के बरगढ में गलारेत कर, तेजाब से जलाने वाले दो आरोपियों को जांच के बाद पुलिस टीम ने आज डांडी के समीप गिरफ्तार किया है। घटना में प्रयुक्त चावूष्ठ और अगवा करने में उपयोग की गयी स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की गयी है। ज्ञातव्य हो कि औद्योगिक थाना क्षेत्र के रेही कलां गांव निवासी राजेश कुमार श्रीवास्तव पुत्र संतोष कुमार श्रीवास्तव को उस समय अगवा कर लिया गया था। जब वह दोपहर करीब बारह बजे ईंटभट्ठे से निकलकर घर जा रहे थे। घटना का कारण आपसी लेनदेन का विवाद बताया गया। इस घटना में घायल राजेश के पाये जाने के बाद चित्रवूष्ठट पुलिस और फिर मामले की सूचना मिलते ही नैनी पुलिस भी हरकर में आयी और नैनी की नई बाजार निवासी ज्ञान प्रकाश उर्पष्ठ लल्लू पुत्र श्याम धर मिश्रा, पीयूष मिश्रा पुत्र शेषधर मिश्रा निवासी जार्ज टाउन सहित तीन अज्ञात आरोपियों को शामिल करके धारा १४७/३६४/३९५/३०७/३२६ए/५०४/५०६ के तहत पंजीकृत कराया गया था।पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की तो आज पूर्वान्ह ११ बजे डांडी के समीप दोनों को पकड़ने मे सफलता पायी गयी पीयूष के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चावूष्ठ एवं स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गयी। घटना के आरोपियो को गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाल नैनी राज किशोर,एसआई जितेन्द्र सिंह यादव, कां अनिरूद्ध यादव, जयगणेश यादव आदि शामिल रहे।

बत्तियां बुझा कर जलाया दीया मोमबत्ती और मोबाईल टार्च

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविधालय सहित गली मोहल्लों में बेरोजगारों को रोजगार छीनने वाली मोदी सरकार के खिलाफ युवाओं ने मशाल, मोमबत्ती, मोबाईल टार्च, दीया जलाया। बेरोजगारों के रोजगार छीनने वाली भाजपा सरकार के खिलाफ सपा मुखिया अखिलेश यादव के 9 बजे 9 मिनट तक अंधेरा कर मोमबत्ती और क्रान्ती की मशाल जलाने के आह्वान पर जिलाध्यक्ष योगेश चन्द्र यादव ने अपने अल्लाहपूर आवास पर महानगर अध्यक्ष सै०इफ्तेखार हुसैन ने करैली स्थित आवास पर घरों की लाईट बुझा कर मोमबत्ती जलाई।वहीं समाजवादी पार्टी शहर पश्चिमी की पूर्व प्रत्याशी व इलाहाबाद विश्वविधालय छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष त्रृचा सिंह के नेत्रित्व में बेरोजगारों के रोजगार पर ग्रहण लगा कर सत्तासीन भाजपा सरकार के खिलाफ युवाओं ने उसी की भाषा में विरोध का बिगुल फूंका। पहले ताली और थाली पीटने के बाद रात 9 बजे 9 मिनट तक अंधेरा कर दीया, मशाल और मोमबत्ती जला कर विरोध दर्ज कराया। इलाहाबाद विश्वविधालय छात्रसंघ भवन पर एकत्रित छात्रों ने हाँथों में बेरोजगारों को रोजगार की मांग का प्ले कार्ड लेकर विरोध मार्च निकाला।अंधेरे में मोमबत्ती मशाल और दीया जला कर भाजपा सरकार के विरुध नारेबाजी करते हुए उसी की भाषा में जवाब दिया। त्रृचा सिंह ने कहा की नौजवान बेरोजगारी से तंग आ कर आत्म हत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हैं और केन्द्र में बैठी मोदी सरकार हो या प्रदेश की योगी सरकार विरोध का बिगुल फूंकने सड़कों पर उतरे युवाओं को प्रशासन लाठी और गोली से दमन कर रही है।युवाओं ने ठान लिया है की लाठी और गोली से डरने वाले नहीं जुलमी कब तक जुल्म करेगा सत्ता के गलियारों से चप्पा चप्पा गूँज उठेगा इन्केलाब के नारों से। छात्रों ने भर्ती परिक्षाओं को पूरा करने के साथ समयबद्ध परीक्षा कैलेण्डर जारी करने की भी मांग की। विरोध मार्च में त्रृचा सिंह, मंजू पाठक, अदील हमजा, अजय यादव सम्राट, आयुष प्रियदर्शी, सै०मो०अस्करी, मो०उमैस, सत्यवेन्द्र आजाद, इम्तियाज कुरैशी, पिन्टू यादव, प्रमोद यादव, मो०इमरान, नदीम,काशान सिद्दीकी, हरेन्द्र यादव, मुदस्सिर, सलमान, अदनान, सचिन दास आदि शामिल रहे।वहीं समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव मो०शारिक के नेत्रित्व में नैनी में युवाओं ने मोहल्ले की लाईटों को बुझा कर दीया और मोमबत्ती जलाई सड़कों पर उतर कर विरोध दर्ज कराने वालों में शिव यादव, देव बोस, मो०अजहर,प्रमिल यादव, अजय यादव आदि शामिल रहे। अल्पसंख्यक सभा के निर्वतमान महानगर अध्यक्ष शाहिद प्रधान व महानगर मीडिया प्रभारी सै०मो० अस्करी के नेत्रित्व में अतरसुईया से रानीमण्डी तक गलियों में लोगों से लाईट बन्द करवाने की अपील के साथ मोबाईल टार्च की लाईट जला कर जम कर भाजपा की केन्द्र व प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए बेरोजगारों की आवाज बनते हुए विरोध किया।भ ाजपा सरकार को युवाओं के रोजगार छीनने का दोषी करार देते हुए गली गली में घूमते हुए टार्च की रौशनी में अनोखे अन्दाज मे प्रदर्शन करते हुए केन्द्र व प्रदेश सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील करते रहे। इस मौके पर शाहिद अब्बास रिजवी, सै०मो०अस्करी, रविन्द्र यादव रवि, विक्रम पटेल, मो०गौस, सैफ फरीदी, आकिब जावेद खान, मो०जैद, हुसैन मेंहदी, जामिन हसन, अली हैदर, आमिर रिजवी, अली अब्बास रिजवी ,अरशद रजा, नसीम आदि शामिल रहे

मोबाइल की टार्च जलाकर विरोध करते सपा अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष व बेरोजगार

अपर मुख्य सचिव ने कोविड-19 इंट्रीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर का किया निरीक्षण

प्रयागराज। अपर मुख्य सचिव ने कोविड-19 के दृष्टिगत कलेक्टेज्ट में स्थापित इंट्रीग्रेटेड कमाड एण्ड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रत्येक डेस्क पर मौजूद कर्मचारियों से उनके द्वारा सम्पादित कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने होम आइशोलेशन में रह रहे लोगो का नियमित रूप से अनुश्रवण कंट्रोल रूम से कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने ये भी कहा कि इंट्रीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर से होम आइशोलेशन में रह रहे प्रत्येक घर के कोविड-19 से संक्रमित व्यक्तियों से प्रतिदिन उनसे सम्पर्क किया जाये तथा नियमित रूप से उनका अनुश्रवण किया जाता रहे। उन्होंने इंट्रीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर में टेलीफोन लाइन की और संख्या बढ़ाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने फेसिलिटी एलोकेशन के बारे में डेस्क पर तैनात सम्बंधित डॉक्टर से जानकारी ली और जिलाधिकारी को आवश्कता के अनुसार कंट्रोल रूम में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने होम आइशोलेशन एवं आईडीएसपी व मिसिंग कोविड-19 पॉजिटिव रोगियों की सूचना से सम्बंधित जानकारी एवं रजिस्टर को डॉक्टर के हाथ से लिखा हुआ तैयार कराने के निर्देश दिये साथ ही साथ सभी आंकड़ों को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने के लिए भी कहा। कहा कि सभी आंकड़ों का एक इलेक्ट्रानिंक डाटा रिकार्ड होना चाहिए। अपर मुख्य सचिव ने मरीजों हेतु उपलब्ध करायी जा रही एम्बुलेंस की व्यवस्था के बारे में सम्बंधित नोडल अधिकारी से जानकारी ली एवं रजिस्टर भी चेक किया। उन्होंने पूछा कि क्या सभी एम्बुलेंस जीपीएस मानीटरिंग सिस्टम के तहत संचालित हो रही है या नही। इसकी निगरानी रखने हेतु सम्बंधित नोडल अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कांटेज्क्ट टेजसिंग एवं एचसीक्यू डेस्क पर स्वास्थ्य अधिकारी की ड्यूटी लगाने के लिए जिलाधिकारी से कहा। नोडल अधिकारी ने कंट्रोल रूम में आने वाली कॉल की विवरण पुस्तिका, हॉटस्पाट विवरण पुस्तिका, होम आइशोलेशन विवरण पुस्तिका, लैब एवं सैम्पल सेंटर मानीटरिंग रजिस्टर की जांच की। उन्होंने सम्बंधित अधिकारी से प्रतिदिन आने वाली लोगो की कॉल की औसत संख्या के बारे में जानकारी ली।

कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण करते अपर मुख्य सचिव

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज गुरूवार, 10 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

क्रियायोग साधना के द्वारा सूक्ष्म शरीरी आत्माओं से मिलन

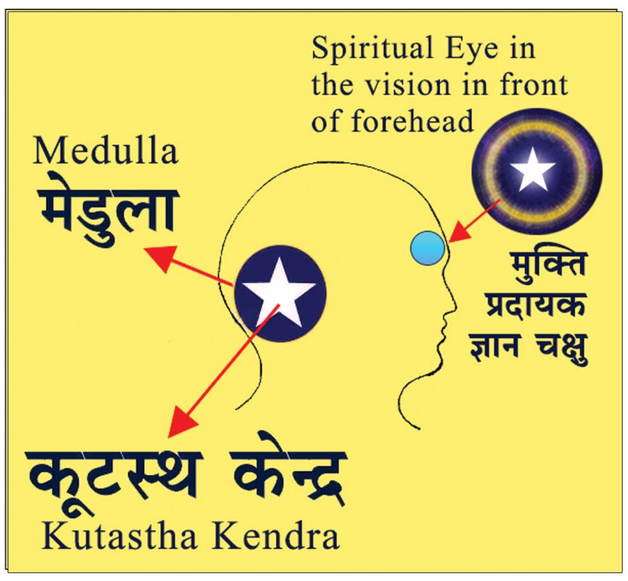

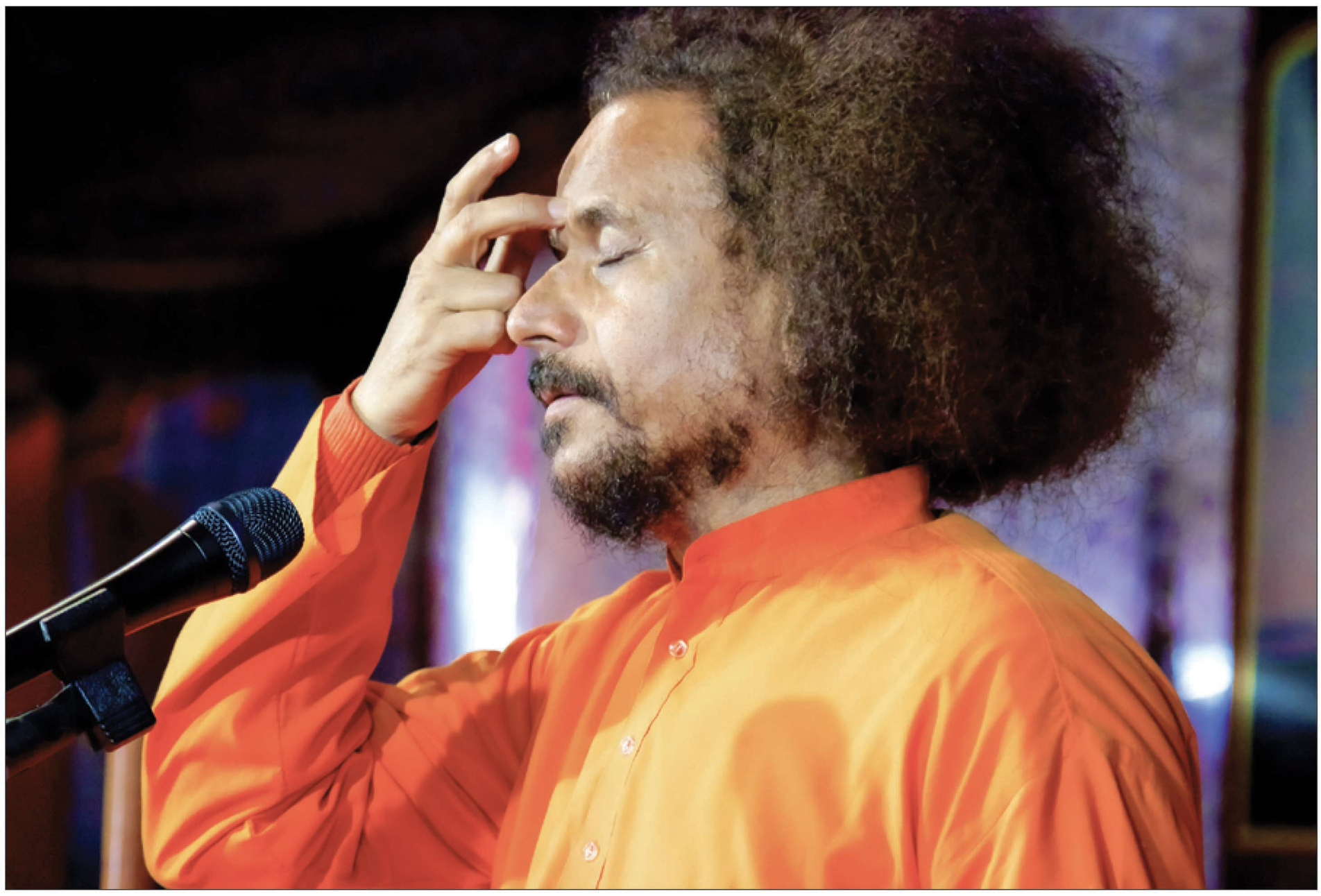

सूक्ष्म जगत को पंच भुजा तारे के रूप में देखा गया है। क्रियायोग साधना के द्वारा प्राणशक्ति को मेडुला के अंदर आज्ञा चक्र में स्थापित कर देने पर साधक सूक्ष्म जगत की अनुभूति कर लेता है, ऐसी अवस्था में उसे अपने सर्वव्यापी और अनंत स्वरूप का अनुभव हो जाता है। इसलिए यदि द्वंद्व नेत्र (दो नेत्र) के स्थान पर अद्वैत नेत्र (एक नेत्र) हो जाए तो सारा शरीर प्रकाश से भर जाता है। मुक्ति प्रदायक ज्ञान चक्षु पर लंबे समय तक मन को एकाग्र करने से योगी भौतिक जगत और उसके गुरुत्वाकर्षणजन्य भार के समस्त भ्रमों को नष्ट करने में समर्थ हो जाता है तब वह सृष्टि को उसी रूप में देखता है, जिस रूप में विधाता ने उसकी रचना की थी। विभेद हीन प्रकाश ब्रह्मांड के प्रत्येक बिंदु पर सूक्ष्म शरीर, आत्मा और ऋषियों मुनियों का वास है, जिन्हें अतींद्रिय दृष्टि (विवेक दृष्टि) के द्वारा देखा जा सकता है। क्रियायोग साधना के द्वारा प्राणशक्ति को मेडुला में स्थित आज्ञाचक्र के मूल केंद्र (कूटस्था) में स्थापित कर देने पर साधक इंद्रियातीत अवस्था की प्राप्ति कर लेता है। ऐसी अवस्था में वह अदृश्य सूक्ष्म जगत की अनुभूति कर लेता है, जहां माया का प्रभाव कम है।

KRIYAYOGA CONNECTS US WITH ASTRAL UNIVERSE

Kriyayoga meditation enables us to connect ourselves with Astral beings. Through the practice of Kriyayoga, we magnetize the medulla with sufficient cosmic life-force which enables us to experience the Astral universe. In this state, we experience our Omnipresent and blissful existence. The Astral vision of the Astral universe is symbolised by the structure of a five-armed star.

It is written in the Bible: "If therefore thine eye be single, thy whole body shall be full of light." (Matthew 6:22)

In Autobiography of a Yogi, Paramahansa Yogananda writes: "Long concentration on the liberating spiritual eye has enabled the yogi to destroy all delusions concerning matter and its gravitational weight; henceforth he sees the universe as an essentially undifferentiated mass of light..."

File Photo

In this stage of enlightenment, one experiences intuitively that each point of the Cosmic indivisible light is the abode of astral beings and saints and sages from time immemorial.

By the practice of Kriyayoga, one is able to draw the life-force from all around to be centered at the Kutastha kendra (center) which is at the spiritual center-point of the Agya chakra in the medulla. Then, one is able to experience the subtle Astral world, which is beyond the effect of the power of illusion.